बी.एच.डी.सी.-134

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(सी.बी.सी.एस.) (बी.ए.जी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2022

बी.एच.डी.सी.-134 : हिन्दी गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है । शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×18=36*

(क) घर आकर मैंने पत्र सीधा बुआ को दे दिया और वह उसको खोलकर तभी पढ़ने में लग गई । खत बड़ा नहीं था । लेकिन कई मिनट तक वह उसे पढ़ती रहीं । यह भी भूल गई कि प्रमोद भी उनका कोई है और इस वक्त वह पास ही खड़ा है । काफ़ी देर के बाद उन्होंने वहाँ से आँख हटाई, खत को धीमे-धीमे तह किया और मुझको देखा — मानो उस वक्त मुझे वह पहचान नहीं रही थीं । मानो सब भूल गई कि क्या था, क्या है, क्या होगा । फिर उसी बेबूझ भाव से मुझे देखते रहकर मानो यंत्र की भाँति उस खत को फाड़कर नन्हें-नन्हें टुकड़ों में कर दिया ।

(ख) भीषण घात-प्रतिघात आरंभ हुआ । दोनों कुशल, दोनों त्वरित गति वाले थे । बड़ी निपुणता से बुद्धगुप्त ने अपना कृपाण दाँतों से पकड़कर अपने दोनों हाथ स्वतंत्र कर लिए । चम्पा भय और विस्मय से देखने लगी । नाविक प्रसन्न हो गए । परंतु बुद्धगुप्त ने लाघव से नायक का कृपाण वाला हाथ पकड़ लिया और विकट हुंकार से दूसरा हाथ कटि में डाल, उसे गिरा दिया । दूसरे ही क्षण प्रभात की किरणों में बुद्धगुप्त का विजयी कृपाण हाथों में चमक उठा ।

(ग) पंडित अलोपीदीन का लक्ष्मी जी पर अखंड विश्वास था । वह कहा करते थे कि संसार का तो कहना ही क्या, स्वर्ग में भी लक्ष्मी का ही राज्य है । उनका यह कहना यथार्थ ही था । न्याय और नीति सब लक्ष्मी के ही खिलौने हैं, इन्हें वह जैसे चाहती हैं नचाती है । लेटे ही लेटे गर्व से बोले, चलों हम आते हैं । यह कह कर पंडित जी ने बड़ी निश्चिन्तता से पान के बीड़े लगा कर खाये ।

(घ) नाम इसलिए बड़ा नहीं है कि वह नाम है । वह इसलिए बड़ा होता है कि उसे सामाजिक स्वीकृति मिली होती है । रूप व्यक्ति सत्य है, नाम समाज सत्य । नाम उस पद को कहते हैं जिस पर समाज की मुहर लगी होती है । आधुनिक शिक्षित लोग जिसे 'सोशल सैक्शन' कहा करते हैं । मेरा मन नाम के लिए व्याकुल, समाज द्वारा स्वीकृत इतिहास द्वारा प्रमाणित समष्टि – मानव की चित्त – गंगा में स्नान !

2. उपन्यास के तत्त्वों का उदाहरण सहित परिचय दीजिए । *16*

3. 'त्याग-पत्र' का कथासार बताते हुए उसके कथानक की विशेषताओं की चर्चा कीजिए । *16*

4. 'नमक का दारोगा' कहानी के संरचना-शिल्प पर प्रकाश डालिए । *16*

5. 'चम्पा' की चारित्रिक विशेषताओं का विवेचन कीजिए । *16*

6. 'लोभ और प्रीति' निबंध के विचार पक्ष को व्याख्यायित कीजिए । *16*

7. हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंधों की विशेषताएँ बताइए । *16*

8. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×8=16*

(क) 'कुटज' निबंध की भाषा

(ख) हिन्दी गद्य की पृष्ठभूमि

(ग) 'वापसी' कहानी का परिवेश

(घ) 'मृणाल' का चरित्र-चित्रण